अनूप पटेल **मुख्य परीक्षा** 7987050119
पेपर-4 नीतिशास्त्र **म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग** 04/02/2021

प्रश्न संख्या

1 A

अर्थशास्त्र → चाणक्य द्वारा रचित
राजनीति से संबंधित
15 प्रकरण में विभक्त

1 B

तुलसीदास
सगुणमार्गी कवि
रामचरितमानस के रचनाकार
समन्वय का संदेश व पक्षधर

1 C

केशवनंद भारती मामला
1973 में केशवनंद बनाम सुप्रीम कोर्ट निर्णय
संविधान के मूल ढांचे में संशोधन नहीं
13 सदस्यीय समिति द्वारा गठित

1 D

सर्वोदय
महात्मा गांधी का सिद्धांत
सर्वोदय → सभी वर्गों का उदय
वर्गहीन, शोषण मुक्त समाज की स्थापना

avi Jain Book Stall, Indo

E चौखंभा राज्य के प्रतिपादक डॉ. राममनोहर लोहिया थे।
चार स्तंभ → गांव, मंडल, प्रांत, राष्ट्र

F अबुल कलाम के शिक्षा मंत्री के रूप में
(1) निःशुल्क शिक्षा व उच्च शिक्षा के लिए कार्य
(2) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना में सहयोग
(3) साहित्य अकादमी व संगीत नाटक अकादमी की स्थापना

G सतनाम का अर्थ → अविनाशी ईश्वर

H समानुभूति → समान अनुभूति
स्वयं को दूसरे लोगों की स्थिति से जोड़कर उसकी समस्या को महसूस करना।

I रूढ़िवादिता
अपनी समझ व विचारधारा के अनुसार दूसरे व्यक्ति के प्रति जो मनोभाव होते हैं
ये सकारात्मक व नकारात्मक दोनों हो सकते हैं
अपितु स्थायी होते हैं।

Ravi Jain Book Stall, Indo

1 J

भावनाओं को समझकर उनका प्रबंधन
भावनात्मक प्रबंधन से गुणवत्ता, दक्षता में वृद्धि
मनोवैज्ञानिक विश्वास में वृद्धि

1 K

नैतिक चिंता
नैतिकता के कारण उत्पन्न
नियमों पर आधारित सही या गलत चुनने पर उत्पन्न
आत्मा की आवाज पर उत्पन्न

L

निष्पक्षता
किसी मुद्दे या विषय के प्रति बिना किसी पूर्वाग्रह के बिना उसके गुण-दोष के आधार पर निर्णय करना
लाभ → योजना के कार्यान्वन में पारदर्शिता

m

सुशासन
लोक कल्याणकारी शासन जैम का
नागरिकों को लाभ पहुंचाना प्रयोग

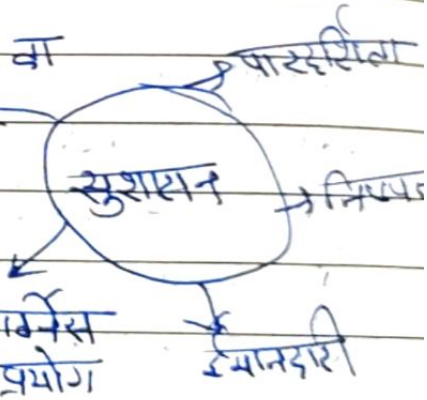

avi Jain Book Stall, Indor

N भ्रष्टाचार - भ्रष्ट आचरण।

सार्वजनिक पद या सत्ता का दुरुपयोग अपने आर्थिक या अन्य लाभ प्राप्त करने में

10 सत्यनिष्ठा
जिन सिद्धांतो को आप सही मानते हैं व्यवहार में वैसे ही रहना, चाहे परिणाम जो भी है।
सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने में उपयोगी

Ravi Jain Book Stall, Indor

प्रश्न संख्या 21

कबीर 15 वीं सदी के धर्मप्रवर्तक समाज सुधारक, संत व कवि थे। भक्ति आंदोलन के प्रमुख व्यक्तियों में से एक

कबीर का दर्शन

(1) आडम्बर व मूर्ति पूजा का विरोध

(2) सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ

(3) जाति प्रथा, ऊंच-नीच का विरोध

(4) एक ईश्वर की उपासना

(5) हिंदू व मुस्लिम धर्म में व्याप्त कुरीतियों पर चोट

(6) ब्रह्म, आत्मा व जगत के रूप में प्रमुख विचार

(7) समन्वयवादी व हिंदू मुस्लिम एकता के पक्षधर

Ravi Jain Book Stall, Indo

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

सामाजिक चिंतन

↳ समाज में व्याप्त धार्मिक कट्टरता अंधविश्वास, जातिवाद व छुआछूत का विरोध

↳ वर्ग संघर्ष के खिलाफ

↳ समन्वयवादी दृष्टिकोण के पक्षधर

रचनाएं

बीजक → तीन भाग
→ साखी
→ शब्द
→ रमैनी

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या: 2 B

तुलसीदास भक्ति कवि के रूप में प्रसिद्ध हुए। वे राम के मार्ग पर चलने हेतु दूसरों को प्रेरित करने हेतु रामचरित मानस की स्थापना की

तुलसीदास का दर्शन

↳ मोक्ष प्राप्ति हेतु भक्ति मार्ग सर्वोत्तर

↳ ईश्वर का साक्षात्कार भक्ति रूपी मार्ग द्वारा ही संभव है।

↳ सृष्टि के हर कण में राम व्याप्त हैं

↳ राम को ईश्वर का अवतार बताया

↳ ईश्वर के सगुण भक्तिधारा को महत्वपूर्ण बताया।

avi Jain Book Stall, Indo

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

श्री महर्षि अरविंदो समग्र योग के प्रणेता थे। उनका दर्शन पूर्ण अद्वैतवाद से प्रभावित था

अरविंदो का दर्शन

(1) योग को बढ़ावा देना

(2) पूर्ण अद्वैतवाद

(3) नव्य वेदांती

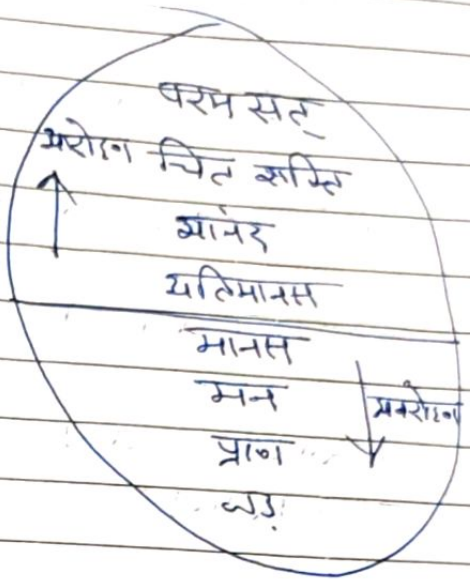

राष्ट्रवाद

→ आध्यात्मिक राष्ट्रवाद के प्रणेता

→ जिस प्रकार मानव की आत्मा होती है
उसी प्रकार राष्ट्र की भी आत्मा होती है

→ समाजवाद पर विश्वास करते थे।

Ravi Jain Book Stall, Indor

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न
उत्तर

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षा, राजनीति व आध्यात्मिक विचार के प्रमुख नामों में है

राधाकृष्णन का दर्शन

↳ हिंदू धर्म में गहन रुचि

↳ अद्वैतवाद व सत्य वेदांती के दार्शनिक

↳ हिंदू धर्म में उच्चताओं का गुणगान

↳ शाश्वत सत्य की पूर्ण सत्ता में विश्वास

↳ ब्रह्म व जीव की सत्ता को स्वीकार किया

↳ जैसे ही जीव को परमात्मा का साक्षात्कार होता है आत्मा, परमात्मा का भेद मिट जाता है।

डॉ. राधाकृष्णन आधुनिक भारत के दार्शनिक थे जो हिंदू धर्म में अपनी आस्था रखते थे।

avi Jain Book Stall, Indor

हाशिए में न लिखें

डॉ. भीमराव अंबेडकर एक समाज सुधारक राजनीतिज्ञ थे जिन्होंने दुमादृत के लिए अपने जीवन भर आंदोलन किया व समाज को अपने अधिकारों के लिए लड़ने हेतु जागृत किया।

सामाजिक दर्शन

(1) जाति व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन किया

(2) वर्ण व्यवस्था सामाजिक विषमता को बढ़ाती हैं

(3) जाति व्यवस्था मनुष्य को स्वतंत्र हो कर विकास करने से रोकती हैं

(4) कुलीनवादी मानसिकता को बढ़ावा देकर वंचित के अधिकारों को नकारती हैं।

(5) सभी को एकसमान कानून व अधिकारों की गारंटी मिलनी चाहिए

(6) सभी वर्गों का विकास से देश का विकास सुनिश्चित करता हैं।

avi Jain Book Stall, Indore

कार्य

(1) भारत के पहले विधि मंत्री के रूप में कार्य करके छुआछूत पर प्रहार करके रोक लगाई

(2) वंचित वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की। जिससे जो विकास की दृष्टि से लोग पिछड़ गए है वे भी समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकें।

Jain Book Stall, Indore

प्रतीत्य समुत्पाद बौद्ध धर्म का सिद्धांत है दुःख को ही गौतम बुद्ध ने मूल कारण माना है।

प्रतीत्यसमुत्पाद

बौद्ध दर्शन का कारण - कार्य सिद्धांत है संसार की किसी भी घटना का कोई न कोई कारण अवश्य होता है। कोई भी घटना बिना कारण के नहीं होती

बौद्ध दर्शन में दुःख के कारण को 12 कड़ियों को माना गया है

(1) जरा मरण - जन्म व वृद्धावस्था दुःख

(2) जाति → जन्म लेना दुःख

(3) भव → जन्म ग्रहण करने की इच्छा

(4) उपादान → जगत के प्रति राग व मोह

(5) तृष्णा → तृष्णा सांसरिक दुःखों का मूल कारण है।

Ravi Jain Book Stall, Indo

(6) वेदना → इंद्रियों के कारण दुख

(7) स्पर्श → इंद्रियो का विषयो से संयोग

(8) षडायतन → पांच ज्ञान का संकलन

(9) नाम रूप → मन व शरीर के समूह को

(10) संस्कार →

(11) विज्ञान → चेतना का विकसित होना

(12) अविद्या → ज्ञान का अभाव

इस प्रकार ये द्वादश निदान मनुष्य के दुखो का कारण बताया गया हैं।

अनेकान्तवाद जैन धर्म का दर्शन है। यह सत्ता की अनेकता का सिद्धांत है।

आशय

इस संसार में अनेक वस्तुएं है जिनमें प्रत्येक वस्तु के अनंत धर्म है। जैन दर्शन जड व चेतन को स्वीकार करता है

↳ यह जैन धर्म का तत्वमीमांसा वस्तुवादी व सापेक्षवादी दर्शन है

↳ इस सिद्धांत में परिवर्तन को ही समाज वास्तविक सत्ता माना जाता है।

↳ अनेकान्तवाद एक अखंड दृष्टि है जिसमें उत्पत्ति के साथ विनाश, जन्म के साथ मृत्यु, शांत के साथ अशांत को स्वीकार करते है।

↳ द्रव्य के २ धर्म है
स्वरूप धर्म
आगुन्तक धर्म

vi Jain Book Stall, Indore

प्रश्न संख्या 2 I

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

मूल्य से आशय उस गुण से है जो मनुष्य के किसी उद्देश्य अथवा लक्ष्य की पूर्ति करते हैं। वहीं मूल्य है।

मूल्य के प्रकार

(1) साध्य मूल्य → जो स्वयं में शुभ होती हैं। इसके शुभत्व का परिणामों का कोई प्रभाव नहीं पड़ता

(2) साधन मूल्य → जो अपने आप में शुभ न होकर किसी अन्य वस्तु के रूप में शुभ होते हैं।
उदा० ईमानदारी

मूल्यों की विशेषताएं

(1) मूल्य के दो पहलू होते हैं
विषय वस्तु
तीव्रता

(2) मूल्य प्रयासों को निर्देशित करते हैं

(3) मूल्य अमूर्त होते हैं

vi Jain Book Stall, Indo

(प) मूल्य सीखे जाते हैं

मूल्य के प्रकार

(ा) सकारात्मक मूल्य → सत्य, अहिंसा

(ब) नकारात्मक मूल्य → हिंसा, चोरी, झूठ

(ग) नैतिक मूल्य

(घ) व्यासायिक मूल्य

(ङ) चिकित्सकीय मूल्य

(च) व्यावहारिक मूल्य

Rani Jain Book Stall, Indo

प्रश्न संख्या: 2 m

भ्रष्टाचार से आशय है की किसी सार्वजनिक पद, सत्ता का दुरूपयोग करके आर्थिक या अन्य लाभ प्राप्त करने से है।

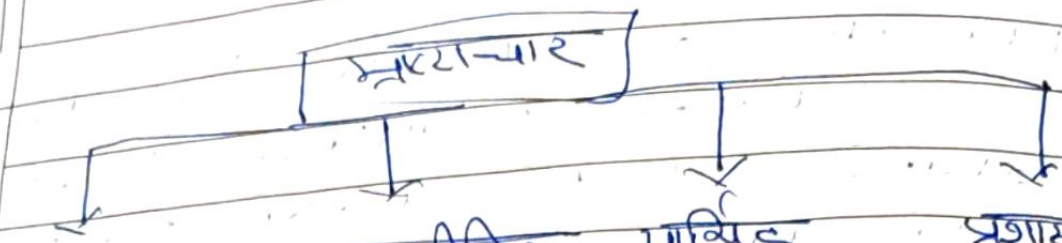

भ्रष्टाचार
- सामाजिक कारण
- राजनीतिक कारण
- आर्थिक कारण
- प्रशासनिक कारण

(1) सामाजिक कारण

नैतिक मूल्यों की कमी
समाज में व्याप्त कुरीतियां यथा दहेज प्रथा
परिवार से मौन स्वीकृति

(2) आर्थिक कारण

आधुनिक उच्च स्तरीय जीवनशैली
वेतन में कमी
खर्च अधिक करना
भौतिकतावादी समाज
सुख-सुविधाएं पाने की लालसा

...i Jain Book Stall, Indo...

राजनीतिक कारण

भ्रष्ट व्यवस्था
चुनाव में भारी खर्च
राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी

प्रशासनिक कारण

कार्य का अत्याधिक दबाव
नैतिक दृष्टि से पतन
कानूनों का क्रियान्वन सही ढंग से न होना

प्रभाव

(1) गुणवत्ता प्रभावित
(2) विकास प्रक्रिया बाधित
(3) विषमता में वृद्धि
(4) न्याय में कमी
(5) सरकार के प्रति असंतोष का बढ़ना

कम करने के उपाय

(1) लोकपाल
(2) विसलब्लोअर
(3) RTI कानून
(4) भ्रष्टाचार रोधक कानून
(5) केंद्रीय सतर्कता आयोग
(6) केंद्रीय जांच ब्यूरो

avi Jain Book Stall, Indor

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

भ्रष्टाचार पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के मध्य एक बहुपक्षीय प्रसंविदा है

यह विश्व का प्रथम कानूनी रूप से बाध्य संविदा है।

उद्देश्य

* इस प्रसंविदा में 71 अनुच्छेद है जो 8 अध्यायों में विभक्त है।

* भ्रष्टाचार को रोकना, कुछ मामलों को अपराधिक घोषित करना

* अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को एक साथ जोड़ना व मजबूती प्रदान करना

सदस्य देशों का सम्मेलन

इसमें सदस्य देशों की स्थापना का प्रावधान है। इसका लक्ष्य नियमों को प्रभावी रूप से लागू करना है।

उपाय

(1) निरोधक उपाय

(2) अपराधिक एवं विधि प्रवर्तन उपाय

...च्च परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

(3) अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग उपाय

(4) संपत्ति पुनर्भरण उपाय

प्रश्न संख्या

सांवेगिक बुद्धि, वह बुद्धि है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने संवेगो को पहचानकर उनका नियंत्रण करता है व अपनी कार्य कुशलता व सफलता के लिए इसका प्रभावशाली ढंग से उपयोग करता है।

महत्व

(1) संवेगिक बुद्धि से वह जीवन के किसी क्षेत्र में वांछित सफलता प्राप्त कर सकता है।

(2) जीवन में कोई कितना सफल होगा यह सांवेगिक बुद्धि पर निर्भर करता है।

(3) इससे हम भावनात्मक क्षमताओं में वृद्धि कर सकते है।

(4) इससे संवेगो के प्रत्यक्ष करने की क्षमता बढ़ जाती है।

(5) संवेगो को अपनी विचार प्रक्रिया से जोड़ पाने की क्षमता प्राप्त हो जाती है।

vi Jain Book Stall, Indo

10 विटामिन डी
27 डिग्रि

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

(a) व्हिसलब्लोवर यह व्यक्ति होता है जो प्रशासन में हो रहे भ्रष्टाचार को उजागर करता है।

यह ऐसे व्यक्ति होते हैं जो भ्रष्टाचार संबंधित प्रकरण को समाज के सामने प्रदर्शित करते हैं।

भूमिका

(1) भ्रष्टाचार को कम करने में सहायक

(2) समाज में नए जनमत का बनाना

(3) नेताओं द्वारा भ्रष्टाचार को न करना उजागर का भय बना रहना।

(4) सरकार पर भ्रष्टाचार विरोधी नीतियों बनाने का दबाव बनना।

(5) सुशासन की तरफ अग्रसर होना।

(6) नीतियों में पारदर्शिता का बढ़ना।

avi Jain Book Stall, Indore

प्रश्न संख्या

मनोवृत्ति किसी वस्तु, विचार या व्यक्ति के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक भाव की उपस्थिति मनोवृत्ति कहलाती है।

मनोवृत्ति के विकास के कारक

(1) आनुवांशिक कारक

(2) व्यक्ति में निहित कारक
↳ शारीरिक वृद्धि
↳ मौलिक क्षमता

(3) अभिप्रेरणा का होना

(4) पूर्वाग्रह का होना

(5) सामाजिक कारण

(6) परिवार द्वारा दिए गए मूल्यों के कारण

(7) शिक्षा द्वारा

(8) व्यक्तिगत अनुभव के द्वारा

Ravi Jain Book Stall, Indor

3 A

प्रकरण → हमारे समाज में भ्रष्टाचार

(1) भ्रष्टाचार को बढ़ावे के निम्न कारण है

(1) अच्छी जीवनशैली की चाह

(2) भौतिक सुख सुविधाओं हेतु

(3) समाज में व्याप्त कुरीतियो जैसे दहेज प्रथा हेतु

(4) कम समय में अधिक से अधिक धन प्राप्त करने की चाह

(5) परिवार वालों की मौन स्वीकृति का होना

(6) कम वेतन अधिक कार्य का होना

(7) सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त करने हेतु

(8) आर्थिक रूप से प्रतिस्पर्धा करना।

A प्रकरण → हमारे समाज में भ्रष्टाचार

(1) भ्रष्टाचार को बढ़ाने के निम्न कारण है

(1) अच्छी जीवनशैली की चाह

(2) भौतिक सुख सुविधाओं हेतु

(3) समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे दहेज प्रथा हेतु

(4) कम समय में अधिक से अधिक धन प्राप्त करने की चाह

(5) परिवार वालों की मौन स्वीकृति का होना

(6) कम वेतन अधिक कार्य का होना

(7) सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त करने हेतु

(8) अधिक रूप से प्रतिस्पर्धा करना।

यौगिक
सामाजिक

मुख्य परीक्षा

प्रश्न संख्या

(२) भ्रष्टाचार को रोकने हेतु उपाय

नैतिक उपाय

(1) नैतिक मूल्यों की शिक्षा।

(२) ईमानदारी से कार्य करना।

(3) कानून के हिसाब से कार्य।

(4) नीति संहिता का पालन करके

संवैधानिक उपाय

(1) केंद्रीय सतर्कता आयोग

(२) केंद्रीय जांच अन्वेषण ब्यूरो

(3) लोकपाल
(4) सूचना का अधिकार
(5) भ्रष्टाचार रोधी कानून 1988
(6) व्हिसल ब्लोअर द्वारा।
(7) ई-गवर्नेंस का प्रयोग
(8) सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके।

Jain Book Stall

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

(२) काले धन के संचय के कारण

(१) सरकारी कानूनों में कमी के कारण।

(२) बेहतर निगरानी तंत्र का न होना।

(३) अधिकतम संचयन की जवाबदारी न होना।

(४) हवाला व विदेशी बैंकों में काले धन को जमा कराना।

avi Jain Book Stall, Indo

प्रश्न संख्या

(B) द्वितीय प्रकरण

प्रथम निष्कर्ष

आंतकवादियों से यदि चर्चा की जाती है तो उनसे कहा जा सकता है की सरकार कठोर कार्यवाही करेगी यदि उन्होंने परिवार के किसी भी सदस्य को यदि हानि पहुंचायी तो

इसी बहाने हम वार्ता लेकर उन्हें समझा सकते है कि वे आत्मसमर्पण में ही सबकी भलाई है।

(2) सैन्य कार्यवाही करना तात्कालिक रूप से तो कुछ हानि पहुंचा सकता है लेकिन यदि सरकार उनकी मांग मान ले तो कल को वह और भी ऐसी आंतकी घटनाओं को घटित कर सकते हैं।

(3) मीडिया को इस मुद्दे का भावनात्मक रूप देने से बचे एवं जनता में यह

बात सुनिश्चित करें की मांगों के हार मनाने पर ही समस्या का हल हो सकता है।

(4) यदि बातचीत निष्फल रहती है तब सरकार को उन्हें घातक चेतावनी देनी होगी जिससे वह भयभीत होकर बंधकों को मुक्त कर दें।

(5) किसी अन्य विकल्प के रूप में आतंकवादियों के परिवार का सहयोग लेना चाहिए जिससे उनसे बातचीत करके वे हथियार डाल दें व बंधकों को मुक्त कर सकें।